



BCI ने वदेशी वकीलों को भारत में प्रैक्टिस करने की अनुमति दी

प्रलिस के लयः

BCI, सर्वोच्च न्यायालय, अंतर्राष्ट्रीय वाणजियकि मध्यस्थता, अधविकता अधनियम, 1961

मेन्स के लयः

BCI ने वदेशी वकीलों को भारत में प्रैक्टिस करने की अनुमति दी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बार काउंसलि ऑफ इंडिया (BCI) ने भारत में वदेशी वकीलों और वदेशी लॉ फर्मों के पंजीकरण और वनियमन के लयि नयिम, 2022 अधसूचति कयि हैं, जो वदेशी वकीलों और कानूनी फर्मों को भारत में अभ्यास करने की अनुमति देते हैं।

- हालाँकि बार काउंसलि ऑफ इंडिया ने उन्हें न्यायालयों, न्यायाधकिरणों या अन्य वैधानकि या नयिमक प्राधकिरणों के समक्ष पेश होने की अनुमति नहीं दी है।

बार काउंसलि ऑफ इंडिया के नरिणयः

- एक दशक से अधकि समय से BCI भारत में वदेशी कानूनी फर्मों को अनुमति देने का वरिध कर रहा था।
- अब BCI ने तर्क दिया है कि उसके इस नरिणय से देश में [प्रत्यक्ष वदेशी नविश](#) के प्रवाह से संबंधति चतिओं का समाधान होगा और भारत [अंतर्राष्ट्रीय वाणजियकि मध्यस्थता](#) का केंद्र बन जाएगा।
- ये नयिम उन वदेशी लॉ फर्मों को कानूनी स्पष्टता प्रदान करते हैं जो वर्तमान में भारत में बहुत सीमति तरीके से कार्य करती हैं।
- BCI ने कहा कि वह "इन नयिमों को लागू करने के लयि संकल्पति है, ताकि वदेशी वकीलों और वदेशी कानूनी फर्मों को [वदेशी कानून एवं वभिन्न अंतर्राष्ट्रीय कानून तथा भारत में अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता की कार्यवाही को अच्छी तरह से परभाषति, वनियमति व नयित्तरति तरीके](#) से पारस्परकिता की अवधारणा पर अभ्यास करने में सक्षम बनाया जा सके।

नए नयिमः

- अधसूचना वदेशी वकीलों और [कानूनी फर्मों को भारत में अभ्यास करने हेतु BCI के साथ पंजीकरण](#) करने की अनुमति देती है यदवि अपने देश में कानून का अभ्यास करने का अधकिार रखते हैं। [हालाँकि वे भारतीय कानून का अभ्यास नहीं कर सकते।](#)
 - अधविकता अधनियम, 1961 के अनुसार, केवल बार काउंसलि में नामांकति अधविकता भारत में कानून का अभ्यास करने के हकदार हैं। अन्य सभी जैसे किवादी, केवल न्यायालय प्राधकिारी या उस व्यक्तीकी अनुमति से उपस्थति हो सकता है जिसके समक्ष कार्यवाही लंबति है।
- उन्हें [लेन-देन संबंधी कार्य/कॉर्पोरेट कार्य \(गैर-मुकदमेबाजी अभ्यास\)](#) जैसे संयुक्त उद्यम, वलिय और अधगिरहण, [बाँधकि संपदा मामले](#), अनुबंधों का मसौदा तैयार करना तथा पारस्परकि आधार पर अन्य संबंधति मामलों का अभ्यास करने की अनुमति होगी।
- उन्हें [अनुसंधान, संपत्ति हस्तांतरण या इसी तरह के अन्य कार्यों से संबंधति किसी भी कार्य में भाग लेने या करने की अनुमति नहीं है।](#)
- वदेशी कानूनी फर्मों के साथ काम करने वाले भारतीय वकील भी केवल "नॉन-लटिगियस प्रैक्टिस" में संलग्न होने के समान प्रतबंध के अधीन होंगे।

नए नयिम का महत्त्व?

- यह वशिष रूप से सीमा पार वलिय और अधगिरहण (M&A) अभ्यास में कार्य करने वाली फर्मों के लयि संभावति समेकन का मार्ग प्रशस्त करता है।
- वैश्वकि संदर्भ में वदेशी वधिकि फर्मों का प्रवेश, वशिष रूप से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वाणजिय में, भारत की महत्त्वाकांक्षा को अधकि

दृश्यमान तथा मूल्यवान बनाने में बड़े पैमाने पर समर्थन करेगा।

- वैश्विक संदर्भ में यह मध्यम आकार की फर्मों के लिये एक महत्त्वपूर्ण नरिणय होगा और भारत में वधिकि फर्मों को प्रतभिा प्रबंधन, प्रौद्योगिकी, क्षेत्रीय ज्ञान और प्रबंधन में **अधिक दक्षता प्राप्त करने** में मदद करेगा।

बार काउंसलि ऑफ इंडिया:

- बार काउंसलि ऑफ इंडिया भारतीय वकीलों को वनियिमति और प्रतनिधित्त्व प्रदान करने के लिये **अधविक्ता अधनियिम, 1961** के तहत संसद द्वारा बनाई गई एक **सांवधिकि संस्था** है।
- यह **पेशेवर आचरण और शषिट्टाचार के मानकों को नरिधारति करके तथा अधविक्ताओं पर अनुशासनात्मक अधकिार क्षेत्र** का प्रयोग करके नयिमक कार्य करता है।
- यह कानूनी शकिषा के लिये मानक भी नरिधारति करता है और उन वशि्वविद्यालयों को मान्यता देता है जनिकी वधिमें डगिरी एक अधविक्ता के रूप में नामांकन के लिये योग्यता के रूप में काम करती है।
- इसके अतरिकित्त यह **अधविक्ताओं के वशिषाधकिारों, अधकिारों और हतियों की रक्षा के साथ-साथ** उनके लिये कल्याणकारी कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिये धन जुटाकर कुछ प्रतनिधित्त्व संबंधी कर्त्तव्यों को पूरा करता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2022)

1. सरकारी वधिाधकिारी और वधिकि फर्म अधविक्ताओं के रूप में मान्यता प्राप्त हैं, कति कॉर्पोरेट वकील और पेटेंट न्यायवादी अधविक्ता की मान्यता से बाहर रखे गये हैं।
2. वधिजिज्ञ परषिदों (बार काउंसलि) को वधिकि शकिषा और वधिाशि्वविद्यालयों की मान्यता के बारे में नयिम अधकिथति करने की शक्ति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)